चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........The Indian Express..........

दिनांक .4.12.2020. पृष्ठ संख्या......5.......... कॉलम.......5-6......

CCHAU HISAR (EDUCATION DAY)

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University celebrated online Agricultural Education Day. Director of Research, Dr. S.K. Sahrawat welcomed dignitaries, scientists, students and farmers to join the webinar. He told that the Agricultural Education Day is celebrated every year on 3rd December to commemorate the birth anniversary of the first President of the country and the first Union Minister of Agriculture, Bharat Ratna Dr. Rajendra Prasad. Scientists of national and international level expressed their views in the brainstorming session of the webinar. The webinar was organized on behalf of the College of Agriculture of the University. Vice-Chancellor of the University Professor Samar Singh explained that the event is intended to educate school students and encourage them to choose agriculture as a profession by detailing the career prospects, agri-entrepreneurial avenues so as to develop their interest in the subject. He further added that If modern techniques and seeds of improved varieties of crops are used, then agriculture farm income can be increased to a large extent.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....The Tribune.....

दिनांक ..5..12..2020..पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

ONLINE AGRICULTURAL EDUCATION DAY

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University celebrated online Agricultural Education Day. Vice-Chancellor of the university Professor Samar Singh explained that the event was intended to educate school students and encourage them to choose agriculture as a profession by detailing the career prospects, agri-entrepreneurial avenues so as to develop their interest in the subject. He further added that if modern techniques and seeds of improved varieties of crops were used, then agriculture farm income could be increased to a large extent. Also, by maintaining the quality of agricultural products with organic farming, demand will increase not only at the national but also international level. Director of Research, Dr SK Sahrawat welcomed dignitaries, scientists, students and farmers to join the webinar. He said the Agricultural Education Day was celebrated every year on December 3 to commemorate the birth anniversary of the first President of the country and the first Union Minister of Agriculture, Bharat Ratna Dr Rajendra Prasad.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-6.....

लघु उद्योग समय की मांग : प्रो. सिंह

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर्स मीट का शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा, वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे शुक्रवार को विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक की आइडिया डवलपमेंट इनकंपासिंग एग्रीबिजनेस इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इन्वेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की, जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष पाइडी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक के विजन डॉक्यूमेंट का भी लोकार्पण किया। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि, सहसंयोजक अर्पित तनेजा ने इन्वेस्टर्स मीट की जानकारी दी।

प्रथम इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। अमर उजाला

एबिक की सफलता पर ही निर्भर है नाबार्ड की योजनाएं : नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष पाइडी ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इंक्यूबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप काम कर रहे हैं, जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इस कारण हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है। वील ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहकार श्याम वैम्बर ने कहा कि इंक्यूबेशन सेंटर युवाओं को आगे बढ़ने का मौका दे रहे हैं। इसका लाभ उठाना चाहिए।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शैलेंद्र सिंह, राहुल दूहन के अलावा एबिक के चयनित स्टार्टअअ, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 5.12.20 पृष्ठ संख्या ....2.... कॉलम ....3-6....

'ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग'

हिसार, 4 दिसम्बर (ब्यूरो): ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा, वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डिवैल्पमैंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनैस इनवैस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की, जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्युमैंट का भी लोकार्पण किया।

मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगाा। इसके अलावा बिचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकेगी। प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना काल में लगभग सभी उद्योग धंधे प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसलिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश की संभावनाएं हैं। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सैंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, इसलिए युवाओं को इस ओर अधिक से अधिक अवसर तलाशने चाहिए।

कार्यक्रम में मौजूद मुख्यातिथि व अन्य अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक ..5..12..2020..पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....2-5.....

चीन में लाखों तो भारत में कुछ हजार स्टार्टअप और अधिक केंद्र खोलने की जरूरत : नाबार्ड

कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए एचएयू में प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट शुक्रवार को आयोजित हुई। इसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. समर सिंह तो अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की। जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी विशिष्ट अतिथि रहे। नाबार्ड के पदाधिकारियों ने कहा कि एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

बागवानी फल-फूलों की मांग अधिक: कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में लघु कार्यों और बागवानी, फल-सब्जियों व फूलों के उत्पादन की बाजार में बहुत अधिक डिमांड है। कोरोना काल में लगभग सभी उद्योग धंधे प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसलिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश की संभावनाएं हैं। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने सभी का स्वागत किया और इन्वेस्टर्स मीट की जानकारी दी।

प्रथम इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर विजन डाक्युमेंट का लोकार्पण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। ● पीआरओ

स्टार्टअप्स कर रहे समस्याओं का समाधान

एबिक की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि एबिक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एबिक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मेंटर एबिक के साथ जुड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप्स की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं।

इन्वेस्टर्स मीट में ये दी गई जानकारियां

इन्वेस्टर्स मीट में कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। एबिक के साथ मिलकर तीन किसान उत्पादक समूह भी काम कर रहे हैं और उनकी वार्षिक आय में काफी वृद्धि हुई है। एबिक से जुड़कर स्टार्टअप्स ने करीब 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 3000 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 5.12.2020...पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....7-8.....

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : कुलपति

प्रथम इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर विजन डाक्युमेंट का लोकार्पण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह एवं एबिक के अधिकारी।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए शुक्रवार को प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट शुरू हुई। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्युमेंट का भी लोकार्पण किया। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने सभी का स्वागत किया और इनवेस्टर्स मीट की विस्तृत जानकारी दी। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 4.12.2020...पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....4-6.....

खेती के लिए शिक्षित युवा आगे आएं और इसे बिजनैस बनाएं

- **कृषि शिक्षा दिवस पर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने किया मंथन**
- **हकृवि कुलपति ने कहा, कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं है घाटे का सौदा**

हिसार, 3 दिसंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। वे विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्य संरक्षक संबोधित कर रहे थे।

वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर एक बिजनेस का रूप दे सकते हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा कृषि संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और संबंधित क्षेत्र की विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए।

वेबिनार के दौरान संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता।

कृषि शिक्षा मानव जाति की सेवा का पवित्र मार्ग : डा. चौधरी

सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी ने कहा कि हमारे देश की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इतने बड़े तबके को कृषि संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना अपने आप में मानव जाति की सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यनिष्ठा और लगन से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करें।

किसानों के सामने हैं चुनौतियां : निदेशक सिंह

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेती-बाड़ी से अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर सिखना होगा। यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफा कमाएं।

कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी मुख्यातिथि,, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह विशिष्ट अतिथि जबकि यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी मुख्य वक्ता थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक ...5-12-2020...पृष्ठ संख्या...2...कॉलम...5-8...

एचएयू के वीसी प्रो. समर ने कहा-ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का हुआ शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा, वहीं दूसरी तरफ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे एचएयू स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डिवेलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाढ़ी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्यूमेंट का लोकार्पण किया। मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा। अब इन्वेस्टर भी एबिक से जड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे।

विजन डॉक्यूमेंट का लोकार्पण करते एचएयू के कुलपति प्रोफेसर संमर सिंह एवं एबिक के अधिकारी।

एबिक की सफलता पर निर्भर है नाबार्ड की योजनाएं : मुख्य महाप्रबंधक

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाढ़ी ने कहा कि विवि स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। वील ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहाकार श्याम वैम्बर ने कहा कि इन्क्युबेटर सेंटर युवाओं के लिए एक प्लेटफार्म बनकर उभरे हैं।

डॉ. सीमा रानी ने कहा- एबिक के मेंटर कर रहे हैं स्टार्टअप्स की समस्याओं का समाधान

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि एबिक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एबिक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मेंटर एबिक के साथ जड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप्स की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं। बिक से जुड़कर स्टार्टअप्स ने करीब 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 3000 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शलैंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........

दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 3-8

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की।

बिचौलिया प्रथा पर रोक लगेगी

मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा। इसके अलावा बिचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकेगी। उन्होंने कहा कि एग्री इंक्युबेटर को स्थापित करने में भारत सरकार की नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अहम योगदान है।

ये रहे मौजूद

मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वील ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहाकार श्याम वैम्बर, एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शैलेंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

एबिक की सफलता पर निर्भर नाबार्ड की योजनाएं : मुख्य महाप्रबंधक : नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाढ़ी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। अब इन्वेस्टर भी एबिक से जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाढ़ी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्युमेंट का भी लोकार्पण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक ..5..12..2020..पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम....3.....

'पराली जलाए बिना हो सकेगी आलू की बिजाई'

हिसार, 4 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने धान की पराली के प्रबंधन का इन-सीटू अवशेष प्रबंधन तकनीक से समाधान निकाला है। इस तकनीक से अब पराली को बिना जलाए व खेत के अंदर ही प्रयोग कर आलू की बिजाई की जा सकेगी। इस तकनीक को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रोजैक्ट की वार्षिक वर्कशॉप में मंजूरी मिल चुकी है।

यह वर्कशॉप केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डा. मनोज कुमार की अध्यक्षता में शिमला में आयोजित हुई थी। वैसे इस तकनीक के लिए 2 साल तक उचांनी में ट्रायल किया गया। सकारात्मक परिणाम आने के बाद किसानों के लिए सिफारिश किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........

दिनांक 5.12.2020 पृष्ठ संख्या 11 कॉलम 2-6

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया कृषि शिक्षा दिवस

कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं : डॉ. मान

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का 136वां जन्मदिवस कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद द्वारा केन्द्र के प्रांगण में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का 136वां जन्मदिवस कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर कृषि विषय व गृह विज्ञान विषय के 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया। केन्द्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉ. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने बताया कि देश में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के शिक्षा एवं कृषि के विकास में दिए योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरदूल मान, जिला विस्तार विशेषज्ञ (सूत्रकृमि) ने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थी चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में कृषि सम्बंधी डिग्री कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

फतेहाबाद। कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कृषि शिक्षा दिवस पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियां देते कृषि वैज्ञानिक। फोटो :हरिभूमि

उन्होंने प्रवेश परीक्षा आदि विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. मान ने बताया कि भविष्य में बढ़ती हुई जनसंख्या व धरती जोत के कारण खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने का कार्यभार कृषि वैज्ञानिकों व कृषि विश्वविद्यालयों पर होगा, इसलिए भविष्य में कृषि शिक्षा की सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार ने कृषि शिक्षा महत्व के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य व पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन बारे जानकारी दी।

केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. विकास हुड्डा ने विद्यार्थियों को सब्जियों की महत्ता व इसकी वर्षभर उपलब्धता के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को केन्द्र के फार्म का भी भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर केन्द्र के प्रशिक्षण सहायक सुशील कुमार, विषय विशेषज्ञ डॉ. निर्मल कुमार, प्रवीन कुमार ने भी अपने-अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: अजीत समाचार

दिनांक: 5.12.2020 पृष्ठ संख्या: — कॉलम: —

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : कुलपति समर सिंह

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ, एबिक का विजन डॉक्यूमेंट भी किया लांच

हिसार, 4 दिसम्बर (राज पराशर) : ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा।

विजन डाक्यूमेंट का लोकार्पण करते कुलपति प्रो. समर सिंह एवं एबिक के अधिकारी। (छाया : राज पराशर)

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंक्यूबेटिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर कही। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाली यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाढ्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्यूमेंट का भी लोकार्पण किया। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा। इसके अलावा बिचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकेगी। उन्होंने कहा कि एग्री इंक्यूबेटर को स्थापित करने में भारत सरकार की नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अहम योगदान है। अब इन्वेस्टर भी एबिक से जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र एक लीडर के रूप में काम करते हुए अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में नए इंक्यूबेटर सेंटर खोलने के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित हो रहा है। इससे नए एग्री इन्क्यूबेशन केंद्र खोलने के लिए बनने वाली पॉलिसी में भी मदद मिलेगी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि बागवानी, फल-सब्जियों व फूलों के उत्पादन की बाजार में बहुत अधिक डिमांड है।

कोरोना काल में लगभग सभी उद्योग धंधे प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसलिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश की संभावनाएं हैं। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने सभी का स्वागत किया और इनवेस्टर्स मीट की विस्तृत जानकारी दी।

एबिक की सफलता पर ही निर्भर है नाबार्ड की भविष्य की योजनाएं : मुख्य महाप्रबंधक : नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाढ्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्यूबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं, जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। इस तरह के केंद्र खोलने के लिए भारत सरकार भी विशेष रूप से सहयोग करते हुए प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार स्थापित कर सकें। वाले ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहकार श्याम बैम्बर ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और इस तरह के इन्क्यूबेटर सेंटर उन्हें आगे बढ़ने का मौका दे रहे हैं। अब युवा नौकरी की बजाए अपना व्यवसाय स्थापित करने में इच्छा जाहिर कर रहे हैं और ऐसे केंद्र उनके लिए एक प्लेटफार्म बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, इसलिए युवाओं को इस ओर अधिक से अधिक अवसर तलाशने चाहिए।

इस अवसर पर देश के जाने माने इन्वेस्टर्स व नाबार्ड अधिकारियों ने स्टार्टअप्स से रूबरू होते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सुनीता महता ने मुख्यातिथि सहित सभी प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व एबिक टीम का इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शैलेंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पांच बजे........

दिनांक ..4.12.2020..पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्यासिंग एग्री बिजनेस इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाढ्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्यूमेंट का भी लोकार्पण किया। मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा। इसके अलावा बिचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकेगी। उन्होंने कहा कि एग्री इंक्यूबेटर को स्थापित करने में भारत सरकार की नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अहम योगदान है। अब इन्वेस्टर भी एबिक से जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र एक लीडर के रूप में काम करते हुए अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में नए इंक्यूबेटर सेंटर खोलने के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित हो रहा है। इससे नए एग्री इन्क्युबेशन केंद्र खोलने के लिए बनने वाली पॉलिसी में भी मदद मिलेगी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि बागवानी, फल-सब्जियों व फूलों के उत्पादन की बाजार में बहुत अधिक डिमांड है। कोरोना काल में लगभग सभी उद्योग धंधे प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसलिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश की संभावनाएं हैं। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने सभी का स्वागत किया और इनवेस्टर्स मीट की विस्तृत जानकारी दी।

एबिक की सफलता पर ही निर्भर है नाबार्ड की भविष्य की योजनाएं : मुख्य महाप्रबंधक

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष पाढ्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। इस तरह के केंद्र खोलने के लिए भारत सरकार भी विशेष रूप से सहयोग करते हुए प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार स्थापित कर सकें। ग्रीन प्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहाकार श्याम वैम्बर ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और इस तरह के इन्क्युबेटर सेंटर उन्हें आगे बढ़ने का मौका दे रह है। अब युवा नौकरी की बजाए अपना व्यवसाय स्थापित करने में इच्छा जाहिर कर रहे हैं और ऐसे केंद्र उनके लिए एक प्लेटफार्म बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, इसलिए युवाओं को इस ओर अधिक से अधिक अवसर तलाशने चाहिए।

एबिक के मेंटर कर रहे स्टार्टअप्स की समस्याओं का समाधान : डॉ. सीमा रानी

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि एबिक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एबिक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मेंटर एबिक के साथ जुड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप्स की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं। इन्वेस्टर्स मीट में कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के अलावा अपना व्यवसाय स्थापित करने में आने वाली प्रारंभिक दिक्कतों, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी आवश्यकता, लाइसेंसिंग, फंडिंग, विपणन, कानूनी दिक्कत आदि को लेकर पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। एबिक के साथ मिलकर तीन किसान उत्पादक समूह भी काम कर रहे हैं और उनकी वार्षिक आय में काफी वृद्धि हुई है। एबिक से जुड़कर स्टार्टअप्स ने करीब 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 3000 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है। एबिक व नॉलेज पार्टनर जैसे पूसा नई दिल्ली, अमेटी यूनिवर्सिटी, ग्रीन प्रो एनजीओ आदि एक-दूसरे के साथ मिलकर नित नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इस अवसर पर देश के जाने माने इन्वेस्टर्स व नाबार्ड अधिकारियों ने स्टार्टअप्स से रूबरू होते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रोफेसर सुनीता महता ने मुख्यातिथि सहित सभी प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व एबिक टीम का इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शलैंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........

दिनांक 4.12.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (IDEA) इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्युमेंट का भी लोकार्पण किया।

हिसार। विजन डाक्युमेंट का लोकार्पण करते कुलपति प्रो. समर सिंह एवं एबिक के अधिकारी।

मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा। इसके अलावा बिचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकेगी। उन्होंने कहा कि एग्री इंक्युबेटर को स्थापित करने में भारत सरकार की नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अहम योगदान है। अब इन्वेस्टर भी एबिक से जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र एक लीडर के रूप में काम करते हुए अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में नए इंक्युबेटर सेंटर खोलने के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित हो रहा है।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री देवाआशीष पाड्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शलैंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....देशबन्धु........

दिनांक ...4.12.2020... पृष्ठ संख्या ......—...... कॉलम ......—......

निर्देश *कृषि पर सरकार का जोर*

कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं घाटे का सौदा : कुलपति

हिसार 3 दिसम्बर (देशबन्धु)। अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी डिमांड बढ़ेगी। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित वेबिनार को मुख्य संरक्षक के तौर पर संबोधित करते हुए कही। वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी मुख्य अतिथि थे जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह विशिष्ट अतिथि थे। यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी इसमें मुख्य वक्ता थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत किया। कृषि शिक्षा दिवस को प्रतिवर्ष देश के प्रथम राष्ट्रपति व प्रथम केंद्रीय कृषि मंत्री भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर एक बिजनेस का रूप दे सकते हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा कृषि संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और संबंधित क्षेत्र की विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए। साथ ही शिक्षा को कृषि आधारित बनाया जाना चाहिए और उसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों को शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि शिक्षा पूरी होते ही वे इस क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें और देश में भी कृषि क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाया जा सके।

सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी ने कहा कि हमारे देश की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इतने बड़े तबके को कृषि संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना अपने आप में मानव जाति की सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्य को बड़ी कर्तव्यनिष्ठा और लगन से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करें। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियां हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेती-बाड़ी से अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर सिखना होगा। यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफा कमाएं। युवा कृषि व्यवसाय को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने बताया कि इस वेबिनार में हिसार, भिवानी, सिरसा, यमुनानगर सहित चंडीगढ़ के विभिन्न स्कूलों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। कृषि महाविद्यालय के सह अधिष्ठाता एवं वेबिनार के संयोजक डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार इस वेबिनार के दौरान कृषि के महत्व, इसके क्षेत्र, देश के संदर्भ में इसकी उपयोगिता, कृषि क्षेत्र में अवसर और कृषि इंटरप्रेन्योर आदि की जानकारी दी गई ताकि इस विषय के संबंध में उनमें रूचि जागृत हो सके। ऑनलाइन वेबिनार में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, विद्यार्थी व किसान भी जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: नभ छोर

दिनांक: 5.12.2020 पृष्ठ संख्या: — कॉलम: —

कोरोना काल में कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की : कुलपति

हिसार/04 दिसंबर/रिपोर्टर

ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्युमेंट का भी लोकार्पण किया। मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा। इसके अलावा बिचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकेगी। उन्होंने कहा कि एग्री इंक्युबेटर को स्थापित करने में भारत सरकार की नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अह्म योगदान है। अब इन्वेस्टर भी एबिक से जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र एक लीडर के रूप में काम करते हुए अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में नए इंक्युबेटर सेंटर खोलने के लिए एक आदर्श के रूप में स्थापित हो रहा है। इससे नए एग्री इन्क्युबेशन केंद्र खोलने के लिए बनने वाली पॉलिसी में भी मदद मिलेगी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि बागवानी, फल-सब्जियों व फूलों के उत्पादन की बाजार में बहुत अधिक डिमांड है। कोरोना काल में लगभग सभी उद्योग धंधे प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसलिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश की संभावनाएं हैं। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने सभी का स्वागत किया और इनवेस्टर्स मीट की विस्तृत जानकारी दी। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। इस तरह के केंद्र खोलने के लिए भारत सरकार भी विशेष रूप से सहयोग करते हुए प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार स्थापित कर सकें। वील ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहाकार श्याम वैम्बर ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और इस तरह के इन्क्युबेटर सेंटर उन्हें आगे बढ़ने का मौका दे रह हैं। अब युवा नौकरी की बजाए अपना व्यवसाय स्थापित करने में इच्छा जाहिर कर रहे हैं और ऐसे केंद्र उनके लिए एक प्लेटफार्म बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, इसलिए युवाओं को इस ओर अधिक से अधिक अवसर तलाशने चाहिए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शलैंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समुह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अजीत समाचार.....

दिनांक 5.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया कृषि शिक्षा दिवस

भविष्य में कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं : डा. मान

फतेहाबाद, 4 दिसम्बर (ललित मैहता) : कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद द्वारा केन्द्र के प्रांगण में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का 136वां जन्मदिवस कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कृषि विषय व गृह विज्ञान विषय के 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

केन्द्र के वरिष्ठ समन्वयक डा. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने बताया कि देश में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के शिक्षा एवं कृषि के विकास में दिए योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरदूल मान, जिला विस्तार विशेषज्ञ (सूत्रकृमि) ने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थी चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में कृषि सम्बंधी डिग्री कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियां देते कृषि वैज्ञानिक।

उन्होंने प्रवेश परीक्षा आदि विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. मान ने बताया कि भविष्य में बढ़ती हुई जनसंख्या व धारती जोत के कारण खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने का कार्यभार कृषि वैज्ञानिकों व कृषि विश्वविद्यालयों पर होगा, इसलिए भविष्य में कृषि शिक्षा की सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं है। केन्द्र के वैज्ञानिक डा. संतोष कुमार ने कृषि शिक्षा महत्व के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य व पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन बारे जानकारी दी। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. विकास हुड्डा ने विद्यार्थियों को सब्जियों की महत्ता व इसकी वर्षभर उपलब्धता के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....समस्त हरियाणा....

दिनांक ..5.12.2020.... पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : वीसी

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ

एबिक का विजन डॉक्युमेंट भी किया लांच

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाड्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्युमेंट का भी लोकार्पण किया। मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा।

एबिक की सफलता पर ही निर्भर है नाबार्ड की भविष्य की योजनाएं : मुख्य महाप्रबंधक

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री देवाआशीष पाड्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब

एबिक के मेंटर कर रहे स्टार्टअप्स की समस्याओं का समाधान डॉ. सीमा रानी

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि एबिक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एबिक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मेंटर एबिक के साथ जुड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप्स की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं। एबिक के साथ मिलकर तीन किसान उत्पादक समूह भी काम कर रहे हैं और उनकी वार्षिक आय में काफी वृद्धि हुई है। प्रोफेसर सुनीता महला ने मुख्यातिथि सहित सभी प्रतिभागियों, इन्वस्टर्स व एबिक टीम का इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शलैंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समुह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।

लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।